ज्ञान दर्शन
समाचार बुलेटिन

जनवरी, 2018 से अप्रैल 2018 तक
(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय
आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)

E-mail: gyanmv@gmail.com
Mobile: +91 9219419405
Website: www.gyanmahavidhyalaya.com

GYAN PARIVAR

अनुक्रम

1. विभागीय गतिविधियाँ
   - अभिभावक–शिक्षक बैठक का आयोजन 1
   - बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं हेतु पाँच दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर 1
   - पतंग उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन 2
   - बी. एल. एड./बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिष्कार व विदाई समारोह 3
   - कैरियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन 3
   - महानगर स्तर पर पेंटिंग एवं गायन प्रतियोगिता 3
   - बी. एड. सत्र (2015–17) का विदाई समारोह 4
   - क्रियात्मक शोध पर दो दिवसीय कार्यशाला 4
2. अतिथि व्याख्यान
   - बी.एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान 5
   - रसायन विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान 5
   - गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान : 5
   - भौतिक विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान 5
   - वनस्पति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान 6
3. विभिन्न त्योहार, दिवस, उत्सव व जयन्ती का आयोजन
   - गीत-संगीत एवं सहभोज कार्यक्रम से नववर्ष की शुरुआत 6
   - मशालोत्सव कार्यक्रम 6
   - गणतन्त्र दिवस समारोह 7
   - संत रविदास जयंती का आयोजन 7
   - खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 7
   - वार्षिकोत्सव का आयोजन 8
4. एन. एस. एस. के कार्यक्रम
   - राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय तृतीय शिविर का आयोजन 9
   - राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत हस्तलेख प्रतियोगिता 10
   - मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को जागरूक किया 10
   - सात दिवसीय विशेष शिविर 10
5. अन्य गतिविधियाँ
   - इन्टैक द्वारा रूट टू रूट्स पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन 11
   - इग्नू (IGNOU) की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन 12

1. विभागीय गतिविधियाँ

❖ **अभिभावक–शिक्षक बैठक का आयोजन :** कालिज की छात्र कल्याण समिति द्वारा 8 तथा 9 जनवरी, 2018 को महाविद्यालय परिसर में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। 8 जनवरी, 2018 को शिक्षक शिक्षा विभाग (B.Ed, B.T.C.) में अभिभावक–शिक्षक बैठक के दौरान अभिभावकों ने महाविद्यालय को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव दिए व महाविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल व प्रबंधक श्री मनोज यादव उपस्थित रहे तथा उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता व उपस्थिति की अनिवार्यता पर बल दिया।

9 जनवरी, 2018 को महाविद्यालय के विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय में अभिभावक–शिक्षक बैठक संपन्न हुई, जिसमें काफी संख्या में अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। अभिभावकों ने अपने बच्चों के मेन्टोर से मिलकर उनकी शैक्षिक उपलब्धि व महाविद्यालय में उनके व्यवहार के विषय में जानकारी ली।

सभी अभिभावकों ने महाविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए उनकी उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का संयोजन छात्र कल्याण समिति की प्रभारी श्रीमती शिवानी सारस्वत ने समिति के सदस्यों के सहयोग से किया।

❖ **बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं के लिए पाँच दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर :** हमारे महाविद्यालय के बी.टी.सी. सत्र 2014 व 2015 के प्रशिक्षुओं के लिए पाँच दिवसीय

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्रीगणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी परम्परा है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, चेयरमेन, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ० गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यों का निर्वहन डॉ० वी. के. वर्मा द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निर्देशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

Scanned by CamScanner

स्काउट–गाइड शिविर का आयोजन दिनांक 10.01.2018 से 14.01.2018 तक महाविद्यालय परिसर में किया गया। शिविर का उद्घाटन अलीगढ़ के जिला संगठन अधिकारी श्री यतेन्द्र सक्सैना ने किया। स्काउट–गाइड की टोलियाँ बनायी गयीं तथा उन्हें स्काउट–गाइड के इतिहास तथा सीटी के संकेतों से अवगत कराया गया। बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत तथा बी.टी.सी. के प्राध्यापक श्री रवि कुमार को शिविर का प्रभारी बनाया गया। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने विद्यार्थियों को स्काउट–गाइड का महत्त्व बताते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

शिविर के दूसरे दिन प्रशिक्षक श्री यतेन्द्र सक्सैना ने विद्यार्थियों को स्काउटिंग के नीति नियम, प्रतिज्ञा तथा सिद्धान्तों की विस्तृत जानकारी देने के साथ–साथ पथ प्रदर्शक चिन्हों की जानकारी देकर कैम्प फायर का भी आयोजन किया, जिसमें सभी टोलियों ने प्रेरक तथा शिक्षाप्रद गीत प्रस्तुत किए। इस संगीत प्रतियोगिता में जी.पी. 5 प्रथम, जी.पी. 4 द्वितीय तथा जी.पी. 3 तृतीय स्थान पर रहे। एस.पी. 1 ने प्रथम, एस.पी. 2 ने द्वितीय एवं एस.पी. 3 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शिविर के तीसरे दिन प्रशिक्षक श्री यतेन्द्र सक्सैना ने प्रशिक्षुओं को तम्बू निर्माण कला के बारे में विस्तृत जानकारी दी, साथ ही विभिन्न प्रकार की गाँठ, साँठ, फाँस, बंधन, डाक्टरी गाँठ, ध्रुव गाँठ, लघुकर गाँठ, जोड़ गाँठ, पिछली साँठ, खूँटा फाँस तथा वर्गाकार बंधन आदि का ज्ञान कराया और उसके विभिन्न उपयोग बताए। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि विपरीत परिस्थितियों में भी आपसी सामंजस्य से काम करने तथा साथ रहने से कम से कम सामान के साथ भी खुशहाल रहते हुए कठिन परिस्थितियों का सामना आसानी से किया जा सकता है। विद्यार्थियों को तम्बू निर्माण कला की पर्याप्त जानकारी भी दी गयी।

शिविर के चौथे दिन की शुरुआत तम्बू निर्माण प्रतियोगिता से हुई, जिसमें छात्राध्यापिकाओं की टोलियों में से टोली जी.पी. 4 प्रथम, जी.पी. 3 व 6 द्वितीय तथा जी.पी. 05 तृतीय रही। छात्राध्यापकों की टोलियों में से एस.पी. 1 प्रथम, एस.पी. 2 द्वितीय तथा एस.पी. 5 तृतीय रही। इसके बाद मुख्य प्रशिक्षक श्री यतेन्द्र कुमार सक्सैना तथा शिविर प्रभारी सुश्री भावना सारस्वत और श्री रविकुमार के निर्देशन में बी.टी.सी. के प्रशिक्षु हाइक पर गये। हाइक का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को खोज के चिन्हों का व्यवहारिक ज्ञान देना था, जिससे प्रशिक्षु विपरीत परिस्थितियों में खोज के चिन्हों की सहायता से अपने साथियों तक अपनी सूचना पहुँचा सकें। तदुपरान्त पाक कला प्रतियोगिता हुई, इसमें सभी टोलियों ने अलग–अलग खाना बनाया। पाक कला में जी.पी. 3 प्रथम, जी.पी.5 द्वितीय तथा जी.पी. 1 तृतीय स्थान पर रही। एस.पी. 2 प्रथम, एस.पी. 5 द्वितीय तथा एस.पी. 6 तृतीय स्थान पर रही। कैम्प फायर के अन्तर्गत लघुनाटिका प्रतियोगिता में जी.पी. 3 प्रथम, जी.पी. 5 द्वितीय तथा जी.पी. 01 तृतीय स्थान पर रहीं। एस.पी. 1 प्रथम, एस.पी. 2 द्वितीय तथा एस.पी. 4 तृतीय स्थान पर रहीं। प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया।

शिविर के पाँचवे दिन प्रशिक्षुओं ने अनेक प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम किए। मुख्य प्रशिक्षक श्री यतेन्द्र कुमार सक्सैना तथा प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने अपने–अपने उद्बोधन में प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रंगारंग कार्यक्रम डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय के निर्देशन में किए गए।

❖ **पतंग उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन** : 13 जनवरी, 2018 को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में पतंग उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने पतंगों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए आपसी सहयोग की भावना पर बल दिया। प्रबंधक श्री मनोज यादव ने उपस्थित रहकर प्रतियोगियों का मनोबल बढ़ाया। निर्णायक दल में प्राध्यापक सर्वश्री रवि कुमार, वीरेन्द्र पाल सिंह, डॉ. दुर्गेश शर्मा तथा मुहम्मद वाहिद रहे।

इस प्रतियोगिता में बी.एड. के छात्र निखिल अग्रवाल ने प्रथम, बी.कॉम. के विकास मिश्र ने द्वितीय तथा बी.कॉम. के ही रजत तथा सूर्यकान्त ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा प्रभारी श्री सुमित कुमार सिंह ने किया।

Scanned by CamScanner

❖ **डी.एल.एड./बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिचय एवं विदाई समारोह** : 14 जनवरी, 2018 को डी. एल. एड. (2017) के प्रशिक्षुओं का प्रतिभा परिचय एवं बी. टी.सी. (2014) के प्रशिक्षुओं के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय अलीगढ़ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मुकेश भारद्वाज इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डी. एल. एड. के प्रशिक्षुओं ने अपना-अपना परिचय दिया तथा बी. टी.सी. के प्रशिक्षुओं ने महाविद्यालय संबंधी अपने-अपने अनुभव बताए। विदा होने वाले प्रशिक्षुओं को एक-एक स्मृति चिन्ह दिया गया।

मुख्य अतिथि ने डी.एल.एड. तथा बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और प्रशिक्षुओं को सलाह दी कि वे अपने शिक्षण कार्य के प्रति सजग रहते हुए ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने आगे कहा कि "शिक्षक ही समाज का निर्माता है।"

दोनों सत्र के प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम के दौरान बीच-बीच में अनेक शिक्षाप्रद, मनोरंजक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन तुलसी कुमार तथा अंशिका बुजबाल ने किया। महाविद्यालय के प्रबंधक श्री मनोज यादव पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समारोह का संयोजन डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय तथा सह संयोजन श्रीमती शोभा सारस्वत ने किया।

❖ **कैरियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन** : 19 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश शासन के श्रम विभाग ने हमारे महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में श्री अरुण कुमार भारती, उप प्रमुख, जिला सेवायोजन अधिकारी, अलीगढ़ ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों का कैरियर बनाने के मूल उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और भविष्य में रोजगारोन्मुख शिक्षा ग्रहण करने पर बल दिया तथा उच्च स्तर की किताबों से अध्ययन करने को प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

❖ **महानगर स्तर पर पेन्टिंग एवं गायन प्रतियोगिता** : इंस्टीट्यूट ऑफ इनफोरमेशन मैनेजमेण्ट एण्ड टैक्नोलॉजी (आई.आई.एम.टी.) रामघाट रोड, अलीगढ़ के तत्त्वावधान में दिनाँक 24.02.2018 को पेन्टिंग एवं गायन प्रतियोगिता का आयोजन महानगर स्तर पर किया गया। इस प्रतियोगिता में अलीगढ़ महानगर के 37 विद्यालय एवं महाविद्यालय के 228 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें ज्ञान महाविद्यालय के बी.एड. विभाग से आठ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। पेन्टिंग प्रतियोगिता में कोमल शर्मा, कु. स्वीटी एवं शिखा शर्मा (बी.एड. प्रथम वर्ष) ने प्रकृति चित्रण पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। एकल गायन में लखविन्दर सिंह लक्खा (बी.एड. प्रथम वर्ष) ने 'नीले-नीले अम्बर पर' गीत प्रस्तुत किया। युगल गायन में नीलम पाल, रोली राजपूत (बी.एड. प्रथम वर्ष) ने होली गीत एवं शिवानी शर्मा, सोनी चौधरी (बी.एड. द्वितीय वर्ष) ने देश भक्ति गीत गाकर सभी को गद्‌गद् कर दिया।

इस प्रतियोगिता में कोमल शर्मा ने प्रथम स्थान एवं रोली राजपूत, नीलम पाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी पहचान बनायी। गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराने के लिए महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ. मुक्ता

Scanned by CamScanner

वार्ष्णेय एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता में बी.एड. विभाग के प्राध्यापक श्री कुलदीप कुमार का पूर्ण सहयोग रहा।

❖ **बी.एड. सत्र (2015–17) का विदाई समारोह :** 17 मार्च, 2018 को बी.एड. सत्र 2015–17 के प्रशिक्षुओं के लिए उनके कनिष्ठ साथियों (बी.एड. सत्र 2016–18) द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी उपस्थित रहे साथ ही प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता सहित सभी प्राध्यापकगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं द्वारा कई रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गयीं। विशेष रूप से घूमर नृत्य में श्रीमती शालू माहेश्वरी को सराहना मिली।

कनिष्ठ साथियों द्वारा अपने वरिष्ठ साथियों को शुभकामनाएँ देकर सम्मानित किया गया तथा वरिष्ठ प्रशिक्षुओं ने महाविद्यालय में बिताए अपने अनुभवों को कनिष्ठ साथियों के साथ बाँटा। कार्यक्रम के अन्त में मिस. फेयरवेल के रूप में कु. वसुन्धरा सिंह तथा मि. फेयरवेल के रूप में जय किशोर गौतम को चुना गया।

कार्यक्रम का समापन चेयरमेन महोदय, प्राचार्य जी एवं बी.एड. विभागाध्यक्षा द्वारा सत्र 2015–17 के सभी प्रशिक्षुओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद द्वारा किया गया। मंच का संचालन जया माहेश्वरी एवं नीलम पाठक द्वारा किया गया।

❖ **क्रियात्मक शोध पर दो दिवसीय कार्यशाला :** 27 तथा 28 मार्च, 2018 को हमारे महाविद्यालय के बी.टी.सी. /डी.एल.एड. विभाग में क्रियात्मक शोध पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मडराक, अलीगढ़ के प्रवक्ता डॉ. जगवीर सिंह ने इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ की भूमिका का निर्वहन किया। महाविद्यालय में अध्ययनरत डी.एल.एड./ बी.टी.सी. के विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों ने इस कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

कार्यशाला के प्रथम दिन विषय विशेषज्ञ महोदय ने क्रियात्मक शोध के इतिहास पर प्रकाश डालने के साथ-साथ विषय के सभी सोपानों का सिलसिलेवार वर्णन किया। उन्होंने बताया कि क्रियात्मक शोध छोटी से छोटी विद्यालयी समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान हेतु किया जा सकता है, इसे एक आम व्यक्ति भी कर सकता है, इसमें समय सीमा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कार्यशाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ महोदय ने प्रशिक्षुओं को क्रियात्मक शोध के मुख्य चरण एवं विशेष महत्व के सोपानों की विस्तृत जानकारी देने के साथ-साथ शोध प्रस्ताव तैयार करने की व्यावहारिक जानकारी दी ताकि प्रशिक्षु विद्यालय संबंधी समस्याओं के निराकरण में अपनी भूमिका निभा सकें। उन्होंने बताया कि शोध की पृष्ठ भूमि मुख्यत: चिन्तनशीलता पर निर्भर करती है। तदुपरान्त सभी प्रशिक्षुओं के छोटे-छोटे समूह बनाए गए तथा प्रत्येक समूह को विद्यालय संबंधी एक-एक अलग-अलग समस्या चुनकर क्रियात्मक शोध करने को कहा गया। इस कार्य में आने वाली समस्याओं के निराकरण हेतु प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन भी किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता तथा विषय विशेषज्ञ महोदय ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र दिए। बी. एड. विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी के साथ विभाग के अनेक प्राध्यापकों ने भी कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का संयोजन श्रीमती शोभा सारस्वत ने किया।

Scanned by CamScanner

2. अतिथि व्याख्यान

❖ **बी.एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 12 जनवरी, 2018 को स्थानीय श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शर्मिला शर्मा ने हमारे महाविद्यालय में ''प्रभावी कक्षागत शिक्षण हेतु कौशल एवं क्रियाएँ'' विषय पर व्याख्यान दिया। अतिथि व्याख्याता ने कहा कि प्रभावी शिक्षण हेतु शिक्षकों को अनेक कौशल तथा क्रियाओं का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षण के दौरान शिक्षक का समदृष्टा होना आवश्यक है क्योंकि शिक्षक ही समाज का निर्माण करते हैं। प्रभावी शिक्षण के लिए शैक्षिक उद्देश्यों को लिखना, विषय वस्तु को व्यवस्थित करना, पाठ की शुरूआत करना, उद्दीपन परिवर्तन, व्याख्यान कौशल, अनुशीलन, प्रश्न कौशल, श्यामपट्ट कौशल, पुनर्बलन कौशल तथा सारांशीकरण कौशल आदि कौशलों की जानकारी शिक्षक को होना आवश्यक है। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने अतिथि व्याख्याता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की प्रभारी डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी ने किया।

❖ **रसायन विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 16 जनवरी, 2018 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार शर्मा ने हमारे महाविद्यालय में ''बेसिक कॉन्सेप्ट ऑफ मोलिकुलर आर्बिटल थ्योरी'' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने Linear combination of atomic orbital, Bonding Molecular orbital Anti bonding Molecular Orbital तथा Non bonding Molecular orbital को Molecular orbital Diagram द्वारा समझाया। अतिथि व्याख्याता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। अन्त में विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. एच.एस. चौधरी ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

❖ **गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 17 जनवरी, 2018 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शुभनेश कुमार गोयल ने हमारे महाविद्यालय में "Mathematics : Language of Science" विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्याता ने बताया कि गणित एक विषय न होकर भाषा है क्योंकि प्रकृति को समझे बिना गणित को नहीं समझा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि पाइथागोइरस पहले म्यूजीशियन थे, उन्होंने Ordinal, Cardinal, Multiple, Pi etc. को विस्तार से बताया। व्याख्याता महोदय ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

अंत में विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. एच.एस. चौधरी ने अतिथि व्याख्याता का आभार व्यक्त किया।

❖ **भौतिक विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 25 जनवरी, 2018 को वीरांगना अवन्तीबाई राजकीय महाविद्यालय, अतरौली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने हमारे महाविद्यालय में "Semi-conductor device and Rectifier पर व्याख्यान दिया। व्याख्याता ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक अर्थ खतालाप से है। इसीलिए शिक्षकों को आपस में विषय के बारे में बातचीत करते रहना चाहिए तथा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उनके मन में आत्मविश्वास पैदा करना चाहिए।

विषय को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने Semi conductor device के दो प्रकार बताने के साथ एक्सट्रिन्सिक और इन्ट्रिन्सिक कंडक्टर सिलिकॉन और जर्मेनियम के बारे में भी बताया। उन्होंने भारत में सिलिकॉन का प्रयोग होने के कारणों पर प्रकाश डाला। P-N जंकसन डायोड फोरवर्ड

Scanned by CamScanner

बाइस रिवर्स बाइस की भी जानकारी दी। उन्होंने रेक्टीफायर और पावर सप्लाई में एम्पलिफायर की उपयोगिता बताते हुए मैगा हर्टज एवं गीगा हर्टज और रेडियो पर दिये जाने वाले प्रसारण संबंधी जानकारी दी तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. एच. एस. चौधरी ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

❖ **वनस्पति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 29 जनवरी, 2018 को धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़ के सहायक प्रो. डॉ. एच.एस. पुण्डीर ने हमारे महाविद्यालय में "Origin of Angiosperm through Alage" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने Alage (शैवाल) उसकी Structure और Reproduction के बारे में विस्तार से बताया इससे होने वाले Bryophte, Pteridophyte और Angiosperm के origin की प्रक्रिया के बारे में बताने के साथ-साथ Prokaryotic cell की संरचना के बारे में बताया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। अन्त में विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. एच. एस. चौधरी ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

3. विभिन्न त्योहार, दिवस, उत्सव व जयन्ती का आयोजन

❖ **गीत-संगीत एवं सहभोज कार्यक्रम से नववर्ष की शुरूआत :** 1 जनवरी, 2018 को महाविद्यालय प्रांगण में गीत-संगीत एवं सहभोज कार्यक्रम का आयोजन कर नववर्ष का उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस उत्सव में मनोरंजन के लिए आरकेस्ट्रा पार्टी बुलायी गयी। इस पार्टी ने नीले-नीले अम्बर पर तथा सत्यम् शिवम् सुन्दरम् जैसे अनेक नए पुराने गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने भी अपनी मनोरंजक एवं ज्ञान वर्धक संगीत एवं नृत्य कलाओं का प्रदर्शन किया, जिनमें दीपक सोनी तथा जाकिया परवीन ने गीत एवं अन्य अनेक विद्यार्थियों ने समूह नृत्य प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने "बाबू जी धीरे चलना" सुन्दर गीत प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया।

गीत-संगीत के कार्यक्रम के बाद सहभोज का आयोजन किया गया। प्राध्यापक विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति अपने-अपने घर से बना हुआ खाना लेकर आये तथा सभी ने मिलकर आनन्द पूर्वक एक-दूसरे का खाना खाया। प्रबन्धक श्री मनोज यादव तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने उपस्थित सभी व्यक्तियों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। विद्यार्थियों द्वारा गीत संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियाँ डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय के निर्देशन में दी गयी। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

❖ **बसन्तोत्सव कार्यक्रम :** 22 जनवरी, 2018 को महाविद्यालय के सरस्वती भवन के स्वराज्य सभागार में बसन्तोत्सव कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना से हुआ। यह प्रस्तुति डी.एल.एड. की छात्रा कु. पूजा, कु. मीना तथा बी. एड. की छात्रा रोली राजपूत व नीलम पॉल द्वारा दी गयी। बी.एड. के छात्र लखविन्दर सिंह लक्खा ने बताया कि आज के दिन माँ सरस्वती की पूजा के साथ-साथ फसलों और फलों के पकने की ऋतु भी मानी जाती है। इसके साथ ही 'बसन्त सज आयो रे' गीत भी प्रस्तुत किया। बी.ए. की छात्रा ज्योति शर्मा द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। बी.टी.सी. की छात्रा सिराली परवीन द्वारा 'धरती सुनहरी अम्बर नीला' गीत प्रस्तुत किया गया। डी.एल.एड. की छात्रा पूजा कुमारी द्वारा बसन्त ऋतु संबंधी चन्द पंक्तियाँ प्रस्तुत की गयीं। छात्र सुनहरी ने ऋतु आगमन पर कविता 'आयो रे बसन्त ऋतु' प्रस्तुत की। बी.टी.सी. के छात्र दीशू कुमार ने 'या कुंदेंदु तुषार हार धवला' श्लोक की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह द्वारा स्वरचित पंक्तियाँ प्रस्तुत की गयीं। डॉ. बीना अग्रवाल ने बसन्त ऋतु पर कविता प्रस्तुत की तथा डॉ. आभा कृष्ण जौहरी ने बसन्त की सभी को बधाई देते हुये 'अच्युतम केशवम् कृष्ण दामोदरम्' भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती वर्धा शर्मा एवं कु. कविता चौधरी द्वारा किया गया।

Scanned by CamScanner

इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने किया।

❖ **गणतन्त्र दिवस समारोह** : 26 जनवरी, 2018 को महाविद्यालय में प्राचार्य, प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर के व्यक्तियों की उपस्थिति में महाविद्यालय के प्रबंधक श्री मनोज यादव ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद का कार्यक्रम महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में हुआ।

डी.एल.एड. के विद्यार्थी सुनहरी ने देशभक्ति की कविता सुनाकर उपस्थित व्यक्तियों को भावुक कर दिया। इसके बाद बी.एड. की छात्राओं ने समूह गान प्रस्तुत किया। बी.एड. की छात्रा सरिता ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया तदुपरान्त बी.एड. के छात्र लखविन्दर सिंह (लक्खा) ने क्रन्तिकारी गीत सुनाया। बी.एड. तथा डी. एल.एड. की छात्राओं के एक समूह ने–

"अगर हम नहीं देश के काम आये
धरा क्या कहेगी, गगन क्या कहेगा।।"

कव्वाली पेश कर सबको प्रेरित किया। बी.एड. विभाग की अध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) आभा कृष्ण जौहरी ने आजादी के बाद हुए सकारात्मक परिवर्तन का हवाला देकर स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों के साथ-साथ सेना के त्याग तथा बलिदान की सराहना की। प्राध्यापक डॉ. रत्न प्रकाश ने कहा कि स्वतन्त्रता के बाद भी हमारे नियम-कानून विदेशों से प्रभावित हैं। मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री राजेन्द्र पाल सिंह ने भारत पर आधिपत्य करने की अंग्रेजों की नीति का विश्लेषण कर आजादी का दुरूपयोग न करने की सलाह दी। उप-प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने स्वरचित देश भक्ति पूर्ण कविता सुनाकर सबको गद्गद कर दिया। अन्त: में प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने कहा कि आजादी के बाद हमारे देश के कानूनों में देश की परिस्थितियों के अनुकूल संशोधन किया जा रहा है जो कि देश की उन्नति का सूचक है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ संगीत की प्राध्यापिका डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय के निर्देशन में की गयीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीना अग्रवाल ने किया। अन्त में सभी उपस्थित व्यक्तियों को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

❖ **संत रविदास जयंती का आयोजन** : 31 जनवरी, 2018 को हमारे महाविद्यालय में संत रविदास जयंती का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को संत रविदास (रैदास) के जीवन उद्देश्यों तथा मूल्यों से अवगत् कराना था। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रैदास जी के जीवन चरित्र तथा उनकी कविताओं को सुनाया। विद्यार्थी लखविन्दर सिंह, प्रिया सिंह, रश्मि शर्मा, वन्दना तौमर, निधि सिंह, छाया सारस्वत, साक्षी सारस्वत, सुनहरी सिंह, कु. पूनम, कु. निधि, शनि कुमार तथा नियामत अली आदि ने रैदास जी की रचनाएँ सुनायीं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने विद्यार्थियों को संत रविदास जी के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी तथा बी.एड. विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. आभा कृष्ण जौहरी ने विद्यार्थियों को संत जी के विचार तथा मूल्यों को भावी पीढ़ी तक पहुँचाने पर अधिक बल दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. की छात्रा नीलम पाठक तथा सोनी चौधरी ने किया और कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत ने किया।

❖ **खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन** : महाविद्यालय परिसर स्थित खेल के मैदान पर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 05.02.2018 से 10.02. 2018 तक किया गया। सभी खेलों में महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। खेल सप्ताह का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने किया।

प्रथम दिन :– 100 मी. दौड़ पुरुष छात्र वर्ग में खेम सिंह (बी.एस-सी.) प्रथम तथा सुनहरी सिंह (डी.एल.एड.) द्वितीय रहे। छात्रा वर्ग में अंजली (डी.एल.एड.) प्रथम तथा कीर्ती (बी. एस-सी.) द्वितीय रहीं। कैरम में यश पाण्डे (बी.कॉम.) प्रथम तथा धर्मेश गांधी (बी.एड.) द्वितीय रहे। छात्रा वर्ग में सोनी चौधरी (बी.एड.) प्रथम तथा प्रियंका सिंह (बी.एड.) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

Scanned by CamScanner

द्वितीय दिन :– शतरंज छात्र वर्ग में धर्मेश गांधी (बी.एड.) प्रथम तथा निखिल अग्रवाल (बी.एड. द्वितीय वर्ष) द्वितीय रहे। गोला फेंक में छात्र वर्ग में ललित कुमार (बी.ए. तृतीय वर्ष) प्रथम, यश पाण्डे (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) द्वितीय तथा छात्रा वर्ग में पारूल यादव (बी.एड. प्रथम वर्ष) प्रथम, रीमा शर्मा (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

तृतीय दिन :– तश्तरी फेंक छात्र वर्ग में विशाल कुमार (बी. ए. तृतीय) प्रथम, नियामत अली (बी.एड. प्रथम वर्ष) द्वितीय रहे तथा छात्रा वर्ग में सरिता (बी.एड. प्रथम वर्ष) प्रथम, कु. अनीता (बी.एड. प्रथम वर्ष) द्वितीय रहीं। भाला फेंक छात्र वर्ग में विशाल शर्मा (बी.एस–सी. प्रथम वर्ष) प्रथम, हर्ष चौधरी (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष (द्वितीय तथा छात्रा वर्ग में शोभा यादव (बी.एड. प्रथम वर्ष) प्रथम, कु. अनीता (बी.एड. प्रथम वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

चतुर्थ दिन :– वॉलीबाल छात्र वर्ग में आई.टी.आई. छात्र संकाय प्रथम तथा बी.एस–सी. द्वितीय रहे। खो खो छात्रा वर्ग में डी.एल.एड. छात्राएँ प्रथम तथा बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राएँ द्वितीय रहीं।

पंचम दिन :– धीमी साईकिल दौड़ छात्रा वर्ग में रेनू शर्मा (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष) प्रथम, कु. अनीता (बी.एड. प्रथम वर्ष) द्वितीय रहीं। कबड्डी छात्र वर्ग में डी.एल.एड. छात्र प्रथम, बी.कॉम. छात्र द्वितीय रहे। रस्साकशी छात्र वर्ग में (बी. एड. द्वितीय वर्ष) प्रथम, (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) छात्र द्वितीय रहे तथा छात्रा वर्ग में बी.एड. प्रथम वर्ष छात्राएँ प्रथम तथा डी.एल.एड. की छात्राएँ द्वितीय रहीं।

पष्ठम् दिन :– बैडमिण्टन का छात्र वर्ग फाइनल मैच हुआ। जिसमें यश पाण्डे (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) प्रथम, कौशल सिंह (डी.एल.एड.) द्वितीय तथा छात्रा वर्ग में रौनक सैनी (डी.एल. एड.) प्रथम तथा कैनात सईद (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इसी दिन आयोजित समारोह में महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी आदि एकत्र हुए। इस समारोह में महाविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री राजेन्द्र पाल सिंह जो कि अपने छात्र जीवन में अनेक खेलों में विश्वविद्यालय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं, ने खेल सप्ताह के दौरान विभिन्न खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी तथा खिलाड़ियों से आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाएँगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अच्छे खिलाड़ियों को महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव – 2018 में पुरस्कृत किया जाएगा। पूरे खेल सप्ताह का संचालन महाविद्यालय के क्रीड़ाध्यक्ष श्री सुमित कुमार सिंह ने किया।

❖ **वार्षिकोत्सव का आयोजन :** 17 फरवरी, 2018 को हमारे महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव महाविद्यालय परिसर में हर्षोल्लास से मनाया गया। ए.आई.सी.टी.ई. नयी दिल्ली के मेम्बर सेक्रेटरी प्रोफेसर आलोक प्रकाश मित्तल वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप सम्मिलित हुए। महाविद्यालय प्रबंध समिति के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, श्रीमती आशा देवी अध्यक्षा, श्री अवि प्रकाश मित्तल उपाध्यक्ष तथा इं. इंद्रेश कौशिक के साथ–साथ श्रीमती दीपा मित्तल एवं श्रीमती सुधा कौशिक ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. बी. आर. आम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. हरिश्चन्द्र तथा ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल पूरे उत्सव में उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्रबंधक श्री मनोज यादव, ओ.एस.डी. श्री नरेन्द्र गौतम तथा ज्ञान आई.टी.आई. के प्राचार्य, प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने भी उपस्थित रहकर

Scanned by CamScanner

उत्सव का आनन्द लिया। उत्सव के उद्घाटन की औपचारिकता के बाद महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना–

"हे शारदे माँ–ये वरदान दे माँ,
नादान हैं हम, हमें ज्ञान देना"

प्रस्तुत की। इसके बाद छात्राओं ने स्वागत गान गाया। प्राध्यापिका श्रीमती वर्धा शर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। इसके बाद सभी अतिथि तथा प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों का स्वागत किया गया। छात्राओं ने ब्रज नृत्य "कान्हा सो जा जरा....." प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति के बारे में बताया तदुपरान्त छात्रा प्रिया सिंह ने एक मार्मिक कविता सुनाई।

पुरस्कार वितरण के प्रथम चरण में गत वर्ष विश्वविद्यालय परीक्षा में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में सर्वाधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया। महाविद्यालय की एक छात्रा ने दहेज प्रथा पर आधारित मोनो एक्टिंग करके इस सामाजिक बुराई की ओर उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। महाविद्यालय की ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने किया। तदुपरान्त छात्राओं ने पंजाबी नृत्य की प्रस्तुति दी।

पुरस्कार के द्वितीय चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विशेष स्थान पाने वाले महाविद्यालय के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने "सबक" नाटक का मार्मिक मंचन कर सभी को भाव विभोर कर दिया। पुरस्कार के तीसरे चरण में महाविद्यालय में आयोजित खेल सप्ताह के दौरान विभिन्न खेलों में विशिष्ट स्थान पाने वाले खिलाड़ी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष स्वेच्छासेवियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों ने देश भक्ति पूर्ण कव्वाली गायी। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ज्ञान पुष्प 2017–18 तथा चतुमार्सिक समाचार बुलेटन ज्ञान दर्शन का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। पुरस्कार के चतुर्थ चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ज्ञान आई.टी.आई. के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान में विद्यार्थी क्लास रूम टीचिंग को कम महत्त्व दे रहे हैं जबकि क्लास रूम टीचिंग का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि कक्षा में टीचर ऐसी अनेक उपयोगी बातें बताते हैं जोकि किताबों में नहीं होती। उन्होंने आगे बताया कि पिछले दो साल से तकनीकी शिक्षा के महाविद्यालयों की संख्या तेजी से कम हो रही है। उन्होंने प्राध्यापकों को राय दी कि वे पढ़ने में विद्यार्थियों की रूचि बढ़ाएं, शिक्षक एवं विद्यार्थियों के संबंध अच्छे होने से पढ़ाने तथा सीखने की प्रक्रिया मजबूत बनती है। मुख्य अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे यहाँ से अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद भी यहाँ से अपने संबंध बनाए रखें।

महाविद्यालय प्रबंधन ने विशेष योगदान के लिए प्रबंधक श्री मनोज यादव, उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल, ओ. एस.डी. श्री नरेन्द्र गौतम, पूर्व प्राध्यापक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना एवं डॉ. ललित उपाध्याय, प्राध्यापिका डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय, श्रीमती मेघा अरोरा तथा श्रीमती वर्धा शर्मा आदि को सम्मानित किया। चेयरमेन महोदय श्री दीपक गोयल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। उत्सव का संयोजन डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन श्रीमती वर्धा शर्मा एवं मेघा अरोरा ने किया। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों ने महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा आयोजित भोज का आनन्द लिया।

4. एन.एस.एस. के कार्यक्रम

❖ **राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय तृतीय शिविर का आयोजन** : 6 जनवरी, 2018 को इस शिविर का आयोजन महाविद्यालय के निकटवर्ती गाँव बढ़ौली फतेह खाँ की प्राथमिक पाठशाला में किया गया। स्वच्छ भारत

Scanned by CamScanner

मिशन के अन्तर्गत एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर पाठशाला परिसर की सफाई की तथा एक साथ सहभोज का आनन्द लिया।

शिविर के दूसरे सत्र में स्वेच्छासेवियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत, देशभक्ति गीत तथा कविताएँ सुनाकर सभी को आनन्दित किया। स्वेच्छासेवी वैभव शर्मा, तबस्सुम, हिमानी तथा रेनू आदि ने गीत एवं कविताएँ प्रस्तुत कीं। प्राध्यापक डॉ. विवेक मिश्रा ने स्वच्छ भारत मिशन पर चर्चा करते हुए कहा कि प्लास्टिक का उपयोग पर्यावरण के लिए बहुत ही घातक है। प्लास्टिक जलाने तथा गलाने पर भी पर्यावरण को प्रदूषित करती है। अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों पर प्रकाश डाला।

❖ **राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत हस्तलेख प्रतियोगिता** : 22 जनवरी, 2018 को इस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के साथ-साथ स्थानीय श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय तथा धर्म समाज महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, कुल मिलाकर 184 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने वोट के लिए संकल्प पत्र तथा शपथ पत्र लिखे। हमारे महाविद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

हस्तलेख प्रतियोगिता में डी.एल.एड. के प्रशिक्षु आशू अरूणेश ने प्रथम, बी.एड. प्रथम वर्ष की प्रशिक्षु दीपिका सिंह द्वितीय तथा बी.टी.सी. तृतीय सेमेस्टर की प्रशिक्षु प्रियंका रानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन एवं संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

❖ **मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को जागरूक किया** : 25 जनवरी, 2018 को हमारे महाविद्यालय की एन. एस.एस. इकाई ने भारत सरकार के निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अलीगढ़ के निर्देशन में शिक्षक तथा विद्यार्थियों की मानव श्रृंखला बनाकर तथा रैली निकालकर कार्यक्रम आयोजित किए।

विद्यार्थी तथा शिक्षकों को मतदान हेतु शपथ दिलायी गयी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के स्वेच्छासेवियों ने अगुआई की। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

❖ **सात दिवसीय विशेष शिविर** : राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 29 जनवरी, 2018 से 04 फरवरी, 2018 तक गाँव बढ़ौली फतेह खाँ की प्राइमरी पाठशाला में किया गया। शिविर का उद्घाटन स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के अर्थशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जे.पी. सिंह द्वारा किया गया। डॉ. जे. पी. सिंह ने कहा कि स्वेच्छासेवी नाटक के माध्यम से नशा उन्मूलन, बेटी पढ़ाओ - बेटी बचाओ, आतंकवाद, स्वच्छ भारत मिशन, महिला सशक्तीकरण तथा मतदान के बारे में समाज को जागरूक कर सकते हैं। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने स्वेच्छासेवियों को स्वामी विवेकानन्द और स्वामी दयानन्द सरस्वती जैसे महान व्यक्तियों के बताए हुए मार्ग पर चलने की सलाह दी। एन.एस.एस. के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने स्वेच्छासेवियों को सामाजिक कार्यों से जुड़ने की सलाह दी। डॉ. संध्या सेंगर तथा डॉ. ज्योति सिंह ने भी स्वेच्छासेवियों को संबोधित किया।

शिविर के दूसरे दिन स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गाँव की प्राइमरी पाठशाला और गाँव की नालियों की सफाई की तथा सफाई के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया। स्वेच्छासेवियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, इस कार्यक्रम में प्राइमरी पाठशाला के बच्चों ने भी भाग लिया। महाविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री राजेन्द्र पाल सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शिविर के तीसरे दिन स्वेच्छासेवियों ने गाँव में घर-घर

Scanned by CamScanner

जाकर शौचालय, एल.पी.जी., साक्षरता, आधार कार्ड, राशन कार्ड तथा रोजगार के संबंध में सर्वेक्षण किया। दूसरे सत्र में डॉ. रत्न प्रकाश ने स्वेच्छासेवियों को सोशल मैपिंग तथा रिसोर्स मैपिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी और एन.एस.एस. के इतिहास पर भी प्रकाश डाला। डॉ. संध्या गंगर तथा डॉ. ज्योति सिंह भी इस सत्र में उपस्थित रहीं। रात्रि के सत्र में प्राचार्य जी ने स्वेच्छासेवियों को संबोधित किया।

चौथे दिन पर्यावरणविद् श्री सुबोध नन्दन शर्मा तथा वन क्षेत्रीय अधिकारी श्री अशोक कुमार के निर्देशन में स्वेच्छासेवियों ने गाँव की खाली जमीन पर अशोक, बकाँयद, नीम तथा पापड़ी आदि के पौधे लगाये। श्री सुबोध नन्दन शर्मा ने कहा कि पर्यावरण बिगड़ने से भारत में पक्षियों की अनेक प्रजातियाँ समाप्त होने के कगार पर हैं, जिसमें गौरइया प्रमुख है। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण के परिणामों पर भी चर्चा की। श्री अशोक कुमार ने 'जल ही जीवन है' को केन्द्र मानकर विचार रखे। ग्राम प्रधान श्रीमती मिथलेश देवी, प्राइमरी पाठशाला के अध्यापक तथा बच्चों ने भी पौधारोपण में सहयोग किया। डॉ. आर.के. कुशवाहा तथा डॉ. समर रजा भी कार्यक्रम में सक्रिय रहे। रात्रि को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ. विवेक मिश्र भी सक्रिय रहे।

शिविर के पाँचवे दिन स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से गाँव में रैली का आयोजन कर ग्रामीणों को धूम्रपान, मद्यपान, सफाई तथा वृक्षारोपण आदि के बारे में जागरूक किया। दूसरे सत्र में गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्षा श्रीमती इन्दू सिंह ने खाना बनाने में अनेक सावधानी बरतने के बारे में जानकारी दी जिससे कि पके हुए भोजन में पौष्टिकता बनी रहे। उन्होंने आम बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताये। इस सत्र में डॉ. एच.एस. चौधरी, मौ. वाहिद, डॉ. संतोष कुमार, सर्वश्री वीरेन्द्र सिंह, अमित कुमार, प्रवीन कुमार, डी.के. रावत तथा वीरेन्द्र चौधरी उपस्थित रहे।

छठवे दिन स्वेच्छासेवियों ने गाँव की दीवारों पर ग्रामीणों के सहयोग से नारे लेखन का कार्य किया। ये नारे राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण तथा समाज सुधार से सम्बन्धित थे। दूसरे सत्र में दैनिक जागरण के सीनियर रिपोर्टर श्री राज नारायण जी ने राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका पर बोलते हुए कहा कि विद्यार्थियों को कबीर, स्वामी विवेकानन्द, गुरू नानक, महर्षि दयानन्द सरस्वती आदि के बताये रास्ते पर चलकर समाज सुधार के कार्य करने चाहिए। इस कार्यक्रम में डॉ. विवेक मिश्र तथा मौ. वाहिद भी उपस्थित रहे।

शिविर के सातवे दिन समापन समारोह में स्थानीय श्री वार्ष्णेय कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार वार्ष्णेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने स्वेच्छासेवियों के कार्यों की सराहना की तथा कहा कि आम नागरिकों को भी एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवियों की तरह कार्य करने चाहिए। समापन समारोह में महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता, डॉ. विवेक मिश्र तथा एन. एस.एस. के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय उपस्थित रहे।

इस प्रकार एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह के कुशल नेतृत्त्व में चले सात दिवसीय आवासीय शिविर का समापन हुआ।

5. अन्य गतिविधियाँ

❖ **इन्टैक द्वारा रूट टू रूट्स पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन** : 30.01.2018 को इण्डियन नैशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हैरीटेज (इन्टैक) ब्रज-भूमि रीजनल चैप्टर की ओर से श्री डॉट सेवा मार्ग पब्लिक स्कूल में लोक कथाओं, अनूठी भाषाओं, अनुष्ठान, कला संस्कृति, शिल्प, त्योहार, खान-पान तथा गीत-संगीत की परम्पराओं को उजागर करने के लिए रूट टू रूट्स प्रतियोगिता का आयोजन हमारे महाविद्यालय के सहयोग से किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के 118 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इन्टैक ब्रज-भूमि रीजनल चैप्टर के संयोजक श्री दीपक गोयल ने बताया कि विभिन्न चैप्टर्स द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में से 100 रीजनल विनर और 10 नेशनल विनर चुने जायेंगे। श्री डॉट सेवा मार्ग पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य श्री अजय चन्द्र ने विद्यार्थियों को इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने पोस्टर बनाये और

Scanned by CamScanner

निबन्ध लिखे। विनर प्रतियोगियों को शैक्षिक यात्रा पर दिल्ली जाने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता का संयोजन हमारे महाविद्यालय के भूगोल विभाग के प्राध्यापक मोहम्मद वाहिद ने किया। उन्होंने बच्चों और उनके शिक्षकों को उनकी भागीदारी हेतु बधाई दी और प्रोत्साहित किया।

❖ **इग्नू (IGNOU) की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन :** 12 अप्रैल, 2018 को हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मलिक राशिद फैजल ने महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र में सी. आई.जी., पी.जी.डी.आर.डी., सी.टी.ई., डी.बी.पी.ओ.एफ.ए., एम.ए.आर.डी., सी.आर.डी., एम.एस.ओ. तथा सी.ई.एस. कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थी, केन्द्र के समन्वयक तथा काउंसलर्स के साथ इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया।

डॉ. मलिक राशिद फैजल ने कहा कि इग्नू केन्द्रीय मुक्त विश्वविद्यालय है तथा नामांकन की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। जेल, विश्वविद्यालय तथा विभिन्न महाविद्यालयों में इग्नू ने अध्ययन केन्द्रों की

स्थापना की, और इच्छुक सभी व्यक्तियों को दूरस्थ शिक्षा से उच्च शिक्षा देने हेतु प्रयासरत् है। उन्होंने विद्यार्थियों को दी गई पाठ्य सामग्री समझकर पढ़ने तथा असाइनमेंट लिखने के तरीके बताये और स्पष्ट किया कि इग्नू द्वारा आयोजित परीक्षाएँ नकल विहीन होती हैं। डॉ. मलिक राशिद फैजल ने बताया कि विश्व के सबसे बड़े विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित इग्नू दूरस्थ शिक्षा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पहुँच के साथ उच्चगुणवत्ता के 250 से अधिक शैक्षिक कार्यक्रम न्यूनतम खर्चे पर उपलब्ध कराता है। इग्नू 45 दिन में अपने सभी कार्यक्रमों का परीक्षा परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर घोषित करता है, तथा इस में पढ़ रहे विद्यार्थी अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एम. मफ्दर अजाम ने बताया कि इग्नू के केन्द्र 50 से अधिक देशों में हैं। उन्होंने आगे कहा कि एसाइनमेंट बहुत ही आवश्यक कम्पोनेन्ट है। उन्होंने यह भी कहा कि इग्नू ने अपने "रीचिंग टू अनरीच्ड" कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है। कार्यक्रम विशेष की परीक्षा इग्नू के सभी केन्द्रों पर एक साथ होती है। डॉ. मलिक राशिद फैजल ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के सकारात्मक उत्तर दिये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालय स्थित इग्नू का विशेष अध्ययन केन्द्र नामांकन की दृष्टि से लगातार उच्च शिखर की ओर बढ़ रहा है। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार इग्नू के कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर इसे पूरा कर सकते हैं। इग्नू विश्व का एक मात्र विशालतम् विश्वविद्यालय है जोकि जन-जन के विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है।

कार्यक्रम का संयोजन विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री आर.के. शर्मा ने किया। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने क्षेत्रीय निदेशक तथा सहायक क्षेत्रीय निदेशक का आभार व्यक्त किया।

Scanned by CamScanner